JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

हरियाणा में पुरुष एवं महिला साक्षरता (2001–2011) एक विश्लेषण।

लेखक: डॉ. दीपक कुमार, सहायक प्रोफेसर, भूगोल विभाग, अहीर कॉलेज, रेवाड़ी

सारांशः–

साक्षरता किसी भी समाज की प्रगति का मूल आधार होती है। हरियाणा में 2001 से 2011 के बीच साक्षरता दर में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष 2001 में जहाँ पुरुष साक्षरता दर 78–49% थी, वहीं 2011 में यह बढ़कर 84–06% हो गई। इसी प्रकार महिला साक्षरता दर 2001 में 55–73% थी, जो 2011 में 65–94% तक पहुँच गई। आँकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि महिलाओं की साक्षरता वृद्धि दर पुरुषों की तुलना में अधिक रही है, जिससे लैंगिक अंतर में कमी आई है। यह स्थिति समाज में शिक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता और सरकारी नीतियों की सफलता को दर्शाती है। समग्र रूप से कहा जा सकता है कि हरियाणा में 2001–2011 का दशक शिक्षा विस्तार का महत्वपूर्ण काल रहा। पुरुष और महिला दोनों की साक्षरता में सुधार हुआ, परंतु अभी भी कई जिलों में विशेष प्रयासों की आवश्यकता है ताकि साक्षरता दर को समान रूप से पूरे राज्य में बढ़ाया जा सके।

मुख्य शब्दः–

साक्षरता दर, पुरुष साक्षरता, महिला साक्षरता, लैंगिक असमानता, शैक्षिक विकास, सामाजिक परिवर्तन, जनगणना (2001–2011), सांख्यिकीय विश्लेषण।

प्रस्तावना

हरियाणा राज्य, जो भारत के उत्तर–पश्चिम में स्थित है, सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक विकास की दृष्टि से निरंतर प्रगति कर रहा है। शिक्षा किसी भी राज्य के विकास का आधार होती है और साक्षरता दर इसका प्रमुख सूचक है। हरियाणा में वर्ष 2001 से 2011 के बीच पुरुषों एवं महिलाओं दोनों की साक्षरता दर में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। पुरुषों की साक्षरता में औसतन 5–57% तथा महिलाओं में 10–21% की प्रगति हुई, जिससे यह स्पष्ट होता है कि महिला साक्षरता की दर तेजी से बढ़ रही है और लैंगिक अंतर धीरे–धीरे घट रहा है। जिलेवार अध्ययन से ज्ञात होता है कि वर्ष 2001 में जहां कुछ जिले जैसे गुड़गाँव, रोहतक और फरीदाबाद पुरुष साक्षरता में अग्रणी थे, वहीं महेन्द्रगढ़, मेवात और सिरसा जैसे जिलों में यह दर अपेक्षाकृत कम थी। इसी प्रकार महिला साक्षरता के संदर्भ में भी अंबाला, पंचकूला और गुड़गाँव जैसे जिले उच्च स्थान पर थे जबकि मेवात, पलवल और सिरसा जैसे जिले पिछड़े रहे। वर्ष 2011 तक शिक्षा संबंधी सरकारी प्रयासों, जागरूकता अभियानों तथा सामाजिक सोच में परिवर्तन के कारण अधिकांश जिलों में साक्षरता दर में सुधार देखा गया।

यह अध्ययन न केवल हरियाणा की साक्षरता स्थिति का चित्र प्रस्तुत करता है बल्कि यह भी दर्शाता है कि राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रयासों से लैंगिक समानता स्थापित हो रही है। यह प्रवृत्ति सामाजिक सशक्तिकरण और आर्थिक विकास की दिशा में सकारात्मक संकेत है।

उद्देश्यः–

1. प्रदेश में पुरुष एवं महिला साक्षरता दर की जिलेवार तुलना करना।
2. 2001 से 2011 तक हुई वृद्धि एवं परिवर्तन को स्पष्ट करना।
3. पुरुष और महिला साक्षरता दर के बीच के लैंगिक अंतर को उजागर करना।
4. उच्च और निम्न साक्षरता वाले जिलों की पहचान करना।
5. साक्षरता में सुधार के पीछे के सामाजिक, शैक्षिक और सरकारी प्रयासों को समझना।

6. भविष्य में शिक्षा के स्तर को और बढ़ाने हेतु नीतिगत सुझावों के लिए आधार तैयार करना।

कार्यविधिः–

1- जनगणना 2001 और 2011 से हरियाणा की पुरुष व महिला साक्षरता दर के आँकड़े लिए गए।

2- सभी जिलों की साक्षरता दर को तालिकाओं में लिखा गया।

3- 2001 और 2011 के आँकड़ों की आपस में तुलना की गई।

4- पूरे राज्य की औसत साक्षरता दर निकाली गई।

5- पुरुष और महिला साक्षरता के बीच का अंतर देखा गया।

6- आँकड़ों के आधार पर साक्षरता की स्थिति और बदलाव पर निष्कर्ष तैयार किया गया।

परिकल्पनाः–

1- वर्ष 2001 से 2011 के बीच हरियाणा में पुरुष एवं महिला साक्षरता दर में वृद्धि हुई होगी।

2- महिला साक्षरता दर की वृद्धि पुरुषों की अपेक्षा अधिक रही होगी, जिससे लैंगिक अंतर घटा होगा।

3- शहरी जिलों की साक्षरता दर ग्रामीण जिलों की तुलना में अधिक होगी।

4- जिन जिलों में शिक्षा संबंधी सुविधाएँ व सरकारी योजनाएँ अधिक प्रभावी रहीं, वहाँ की साक्षरता दर तेजी से बढ़ी होगी।

5- आर्थिक व सामाजिक दृष्टि से पिछड़े जिलों में साक्षरता वृद्धि की गति धीमी रही होगी।

पुरुष साक्षरताः–

हरियाणा में पुरुष साक्षरता की वृद्धि एवं विकास को निम्न तालिका से स्पष्ट किया गया हैं।

तालिका – 1

हरियाणा में पुरुष साक्षरता प्रतिशत (2001–2011)

जिले	कुल पुरुष साक्षरता प्रतिशत (2001)	जिले	कुल पुरुष साक्षरता प्रतिशत(2011)
अम्बाला	82.31	अम्बाला	87.34
पंचकुला	82.87	पंचकुला	87.04
यमुनानगर	78.82	यमुनानगर	83.84
कुरुक्षेत्र	78.06	कुरुक्षेत्र	83.02
कैथल	69.15	कैथल	77.98
करनाल	76.29	करनाल	81.82
पानीपत	78.50	पानीपत	83.71
सोनीपत	83.06	सोनीपत	87.18
रोहतक	83.23	रोहतक	87.65
झज्जर	83.27	झज्जर	89.31
फरीदाबाद	85.14	फरीदाबाद	88.61
पलवल	75.10	पलवल	82.66
गुरुग्राम	87.97	गुरुग्राम	90.46
मेवात	61.18	मेवात	69.94
रेवाड़ी	88.45	रेवाड़ी	91.44
महेन्द्रगढ़	84.72	महेन्द्रगढ़	89.72

भिवानी	80.26	भिवानी	85.65
जींद	73.82	जींद	80.81
हिसार	76.57	हिसार	82.20
फतेहाबाद	68.22	फतेहाबाद	76.14
सिरसा	70.05	सिरसा	76.43
हरियाणा औसत	78.49	औसत हरियाणा	84.06

स्त्रोत :– स्टेटस्टीकल एब्सट्रेक्ट ऑफ हरियाणा (2013–14).

उपरोक्त तालिका को निम्न श्रेणी तालिका में बाटा गया है।

श्रेणी तालिका – 2 हरियाणा में पुरुष साक्षरता प्रतिशत श्रेणी

	सन् 2001		सन् 2011		
श्रेणी	पुरुष साक्षरता प्रतिशत	सम्मिलित राज्य	श्रेणी	पुरुष साक्षरता प्रतिशत	सम्मिलित राज्य
सबसे अधिक	85 से अधिक	गुरुग्राम, रेवाडी, फरीदाबाद।	सबसे अधिक	85 से अधिक	फरीदाबाद, गुरुग्राम, रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़, भिवानी, अम्बाला, पंचकुला, सोनीपत, रोहतक, झज्जर।
अधिक	80 से 85	अम्बाला, पंचकुला, सोनीपत, रोहतक, झज्जर, महेन्द्रगढ़, भिवानी।	अधिक	80 से 85	यमुनानगर, कुरुक्षत्रे , करनाल, पानीपत, पलवल, जींद, हिसार।
मध्यम	75 से 80	यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, करनाल, पानीपत, पलवल, जींद, हिसार।	मध्यम	75 से 80	कैथल, फतेहाबाद, सिरसा।
कम	75 से कम	कैथल, मेवात, फतेहाबाद, सिरसा।	कम	75 से कम	मेवात।

स्त्रोत :– स्टेटस्टीकल एबस्ट्रेक्ट के आँकडों के आधार पर स्वयं द्वारा परिकल्पित। उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि सन् 2001 में सबसे अधिक पुरुष साक्षरता (85 प्रतिशत से अधिक) गुरुग्राम, रेवाड़ी व फरीदाबाद में है वहीं सबसे कम पुरुष साक्षरता (75 प्रतिशत से कम) कैथल, मेवात, फतेहाबाद व सिरसा जिलों में है। अम्बाला पंचकुला, सोनीपत, रोहतक, झज्जर, महेन्द्रगढ़ व भिवानी जिले अधिक साक्षरता श्रेणी में आते है वहीं यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, करनाल, पानीपत, पलवल, जींद व हिसार जिले मध्यम श्रेणी (75 से 80 प्रतिशत) में आते है। सन् 2011 के आँकडों को देखने से पता चलता है कि फरीदाबाद, गुरुग्राम, रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़, भिवानी, पंचकुला, सोनीपत, रोहतक, झज्जर जिलों में पुरुष साक्षरता प्रतिशत अत्यधिक (85 प्रतिशत से अधिक) पाया जाता है। वहीं 2001 में जहाँ इसी श्रेणी में केवल तीन ही जिले थे वहीं सन् 2011 में बढकर इनकी संख्या दस तक पहुंच गई है। सन् 2011 के आँकडो से स्पष्ट है कि सबसे कम पुरुष साक्षरता (75 से कम) मात्र

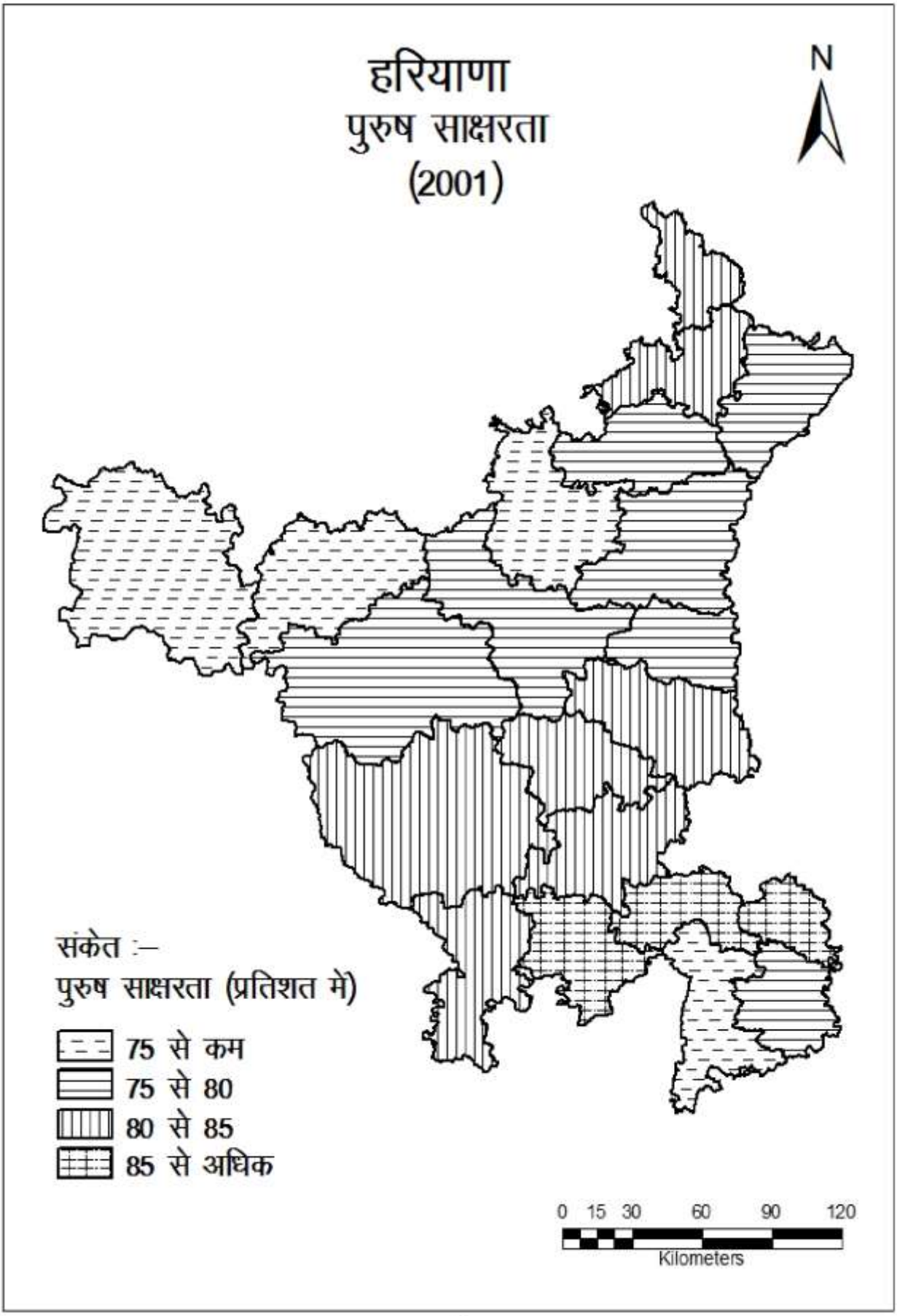
हरियाणा
पुरुष साक्षरता
(2001)
N
संकेत :–
पुरुष साक्षरता (प्रतिशत में)
75 से कम
75 से 80
80 से 85
85 से अधिक
0 15 30 60 90 120
Kilometers

मानचित्र 4.6

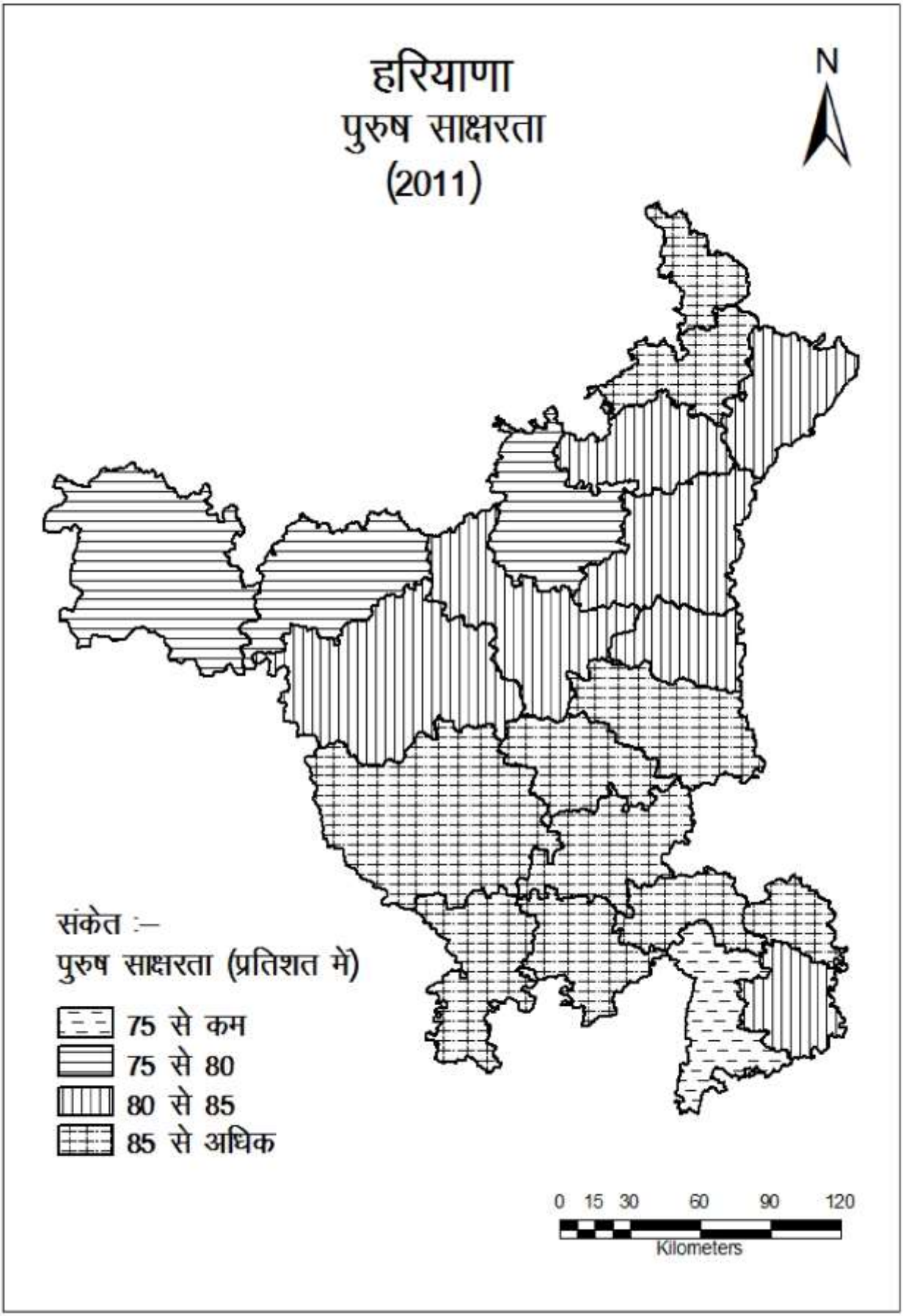

मानचित्र 4.7

मेवात जिले में पाई जाती है वहीं यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, करनाल, पानीपत, पलवल, जींद व हिसार जिलों में पुरुष साक्षरता प्रतिशत अधिक (80 से 85) पाया जाता है तो कैथल, फतेहाबाद, सिरसा में मध्यम श्रेणी (75 से 80 प्रतिशत) में पाया जाता है। हरियाणा में जहाँ सन् 2001 में गुरुग्राम, रेवाड़ी, फरीदाबाद में पुरुष साक्षरता क्रमशः 87.97, 88.45 व 85.14 थी वहीं 2011 में यह बढ़कर क्रमशः 90.46, 91.44 व 88.61 हो गई। गत दशक में इन जिलों में अनेक शिक्षण संस्थाओं की स्थापना एवं आर्थिक उन्नति के साथ शिक्षा

की ओर जन चेतना जागृत होने से पुरुष साक्षरता में निरन्तर वृद्धि हुई है सन 2001 में जहाँ पुरुष साक्षरता प्रतिशत कैथल, मेवात, फतेहाबाद, सिरसा जिलो में क्रमशः

69.15, 61.18, 68.22 तथा 70.5 था वहीं 2011 में पुरुष साक्षरता बढ़कर क्रमशः 77.98, 69.94, 76.14 तथा 76.43 प्रतिशत हो गई। उपरोक्त विवरण से स्पष्ट है कि सभी श्रेणीयों में दशकीय पुरुष साक्षरता प्रतिशत में वृद्धि हुई हैं जो किसी प्रदेश के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होती है। सन् 2001 में जहाँ हरियाणा में पुरुष साक्षरता का औसत प्रतिशत 78.49 था वहीं 2011 में बढकर 84.06 प्रतिशत हो गया। स्पष्ट है कि पुरुष साक्षरता दर में निरन्तर वृद्धि हो रही है।

महिला साक्षरता :–

हरियाणा में महिला साक्षरता पुरुष साक्षरता की अपेक्षा कम है इससे पुरुष प्रधान समाज में स्त्रियों की शिक्षा के प्रति लोगों की उदासीनता का प्रमाण मिलता है जीवन के अन्य पहलुओं की भाँति समस्त भारत में स्त्रियों को शिक्षा के क्षेत्र में उतना उचित स्थान नहीं मिलता जितना की मिलना चाहिए यही कारण है की महिला साक्षरता दर पुरुष साक्षरता दर की अपेक्षा कम होती है।

निम्न तालिका में सन् 2001 से 2011 तक हरियाणा में महिला साक्षरता के प्रतिशत का स्पष्ट वर्णन मिलता है।

तालिका – 3

महिला साक्षरता प्रतिशत में (2001–2011)

जिले	महिला साक्षरता (2001)	जिले	महिला साक्षरता (2011)
अम्बाला	67.39	अम्बाला	75.50
पंचकुला	65.65	पंचकुला	75.99
यमुनानगर	63.39	यमुनानगर	71.38
कुरुक्षेत्र	60.61	कुरुक्षेत्र	68.84
कैथल	47.31	कैथल	59.24
करनाल	57.97	करनाल	66.82
पानीपत	57.97	पानीपत	67.00
सोनीपत	60.68	सोनीपत	69.80
रोहतक	62.59	रोहतक	71.72
झज्जर	59.65	झज्जर	70.73
फरीदाबाद	65.53	फरीदाबाद	73.84
पलवल	40.76	पलवल	54.23
गुरुग्राम	67.49	गुरुग्राम	77.98
मेवात	23.89	मेवात	36.60
रेवाड़ी	60.83	रेवाड़ी	69.57
महेन्द्रगढ़	54.08	महेन्द्रगढ़	64.57
भिवानी	53.00	भिवानी	49.24
जींद	48.51	जींद	60.76
हिसार	51.08	हिसार	62.25
फतेहाबाद	46.53	फतेहाबाद	58.87
सिरसा	49.93	सिरसा	60.40
हरियाणा औसत	55.73	हरियाणा ओसत	65.94

स्त्रोत :– स्टेटस्टीकल एब्सट्रेक्ट ऑफ हरियाणा (2013–14) उपरोक्त आँकड़ों के आधार पर हरियाणा में महिला साक्षरता प्रतिशत को निम्न श्रेणी भागों में बाँटकर स्पष्ट किया जा सकता हैं।

तालिका – 4

हरियाणा में महिला साक्षरता प्रतिशत श्रेणी

	सन् 2001		सन् 2011		
श्रेणी	महिला साक्षरता प्रतिशत	सम्मिलित राज्य	श्रेणी	महिला साक्षरता	सम्मिलित राज्य
अधिक	65 से अधिक	अम्बाला, पंचकुला, फरीदाबाद, गुरुग्राम।	अधिक	65 से अधिक	अम्बाला, पंचकुला, यमुनानगर, कुरुक्षत्रे , करनाल, पानीपत, सोनीपत, रोहतक, झज्जर, फरीदाबाद, गुरुग्राम, रेवाड़ी।
मध्यम	60 से 65	यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, सोनीपत, रोहतक, रेवाड़ी।	मध्यम	60 से 65	महेन्द्रगढ़, जींद, हिसार, सिरसा।
क्म	55 से 60	करनाल, पानीपत, झज्जर।	कम	55 से 60	फतेहाबाद, कैथल।
सबसे कम	55 से कम	कैथल, पलवल, मेवात, महेन्द्रगढ़, भिवानी, जींद, हिसार, फतेहाबाद, सिरसा।	सबसे कम	55 से कम	मेवात, भिवानी, पलवल।

स्त्रोत :– स्टेटिस्टीकल एबस्ट्रेक्ट के आँकडों के आधार पर स्वयं द्वारा परिकल्पित। उपरोक्त तालिका के अनुसार हरियाणा में सन् 2001 के आँकडों के अनुसार अम्बाला, पंचकुला, फरीदाबाद, गुरुग्राम जिलों में महिला साक्षरता 65 प्रतिशत (अधिक श्रेणी) से अधिक पाई जाती है। वहीं कैथल, पलवल, मेवात, महेन्द्रगढ़, भिवानी, जींद, हिसार, फतेहाबाद व सिरसा जिलों में सबसे कम श्रेणी (55 से कम) की महिला साक्षरता प्रतिशत पाई जाती है। मध्यम श्रेणी (60 से 65) के अन्तर्गत यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, सोनीपत, रोहतक व रेवाड़ी जिले आते है। 55 से 60 प्रतिशत की श्रेणी में करनाल, पानीपत व झज्जर जिलों को शामिल किया गया है।

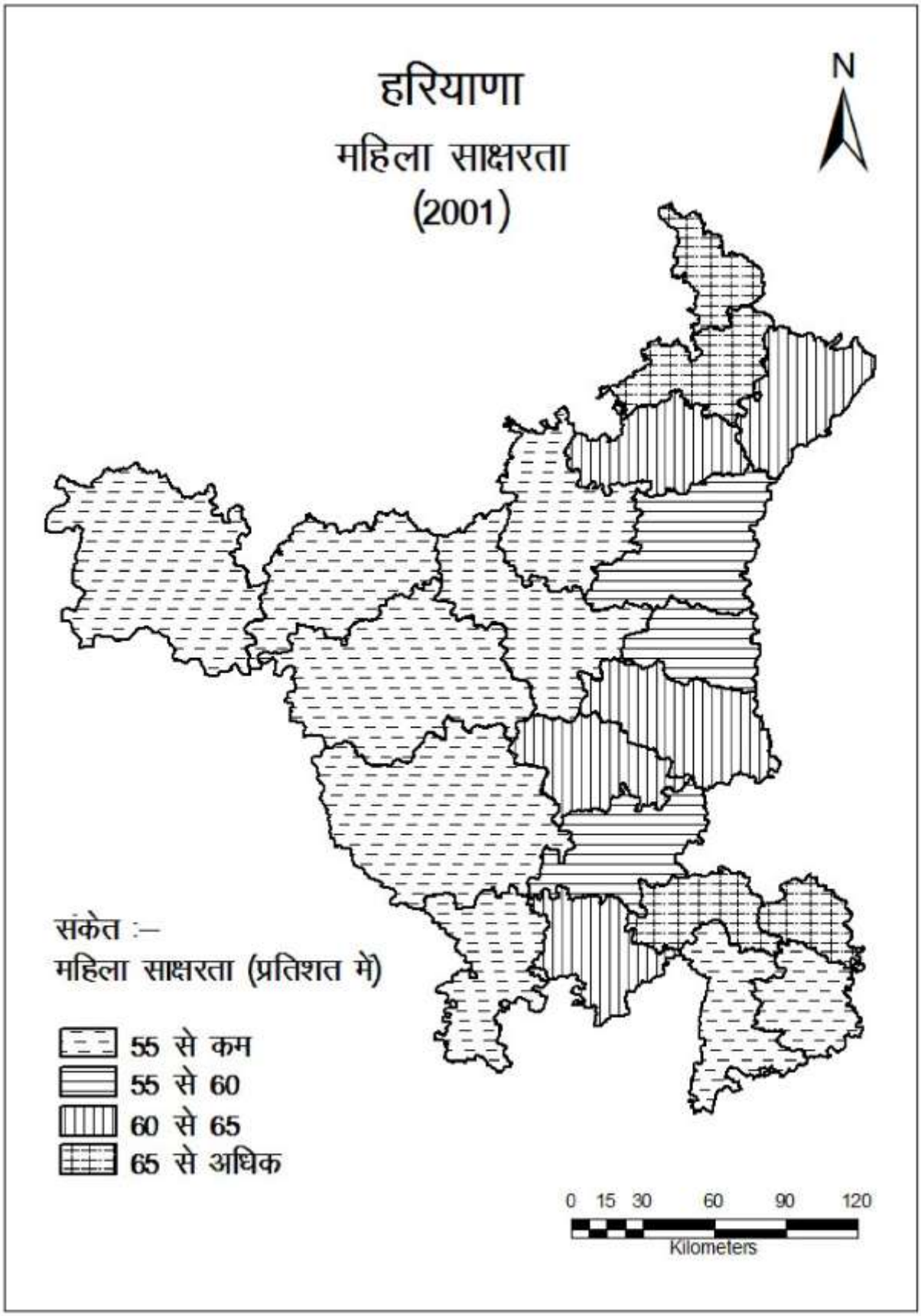
हरियाणा
महिला साक्षरता
(2001)
N
संकेत :–
महिला साक्षरता (प्रतिशत में)
55 से कम
55 से 60
60 से 65
65 से अधिक
0 15 30 60 90 120
Kilometers

मानचित्र 4.8

सन् 2011 के आँकडों के अनुसार 65 प्रतिशत से अधिक महिला साक्षरता की श्रेणी में अम्बाला, पंचकुला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, करनाल, पानीपत, सोनीपत, रोहतक, झज्जर, फरीदाबाद, गुरुग्राम व रेवाड़ी जिलों को शामिल किया गया है। सन् 2001 में जहाँ इसी श्रेणी के केवल चार राज्य आते थे वहीं सन् 2011 में बढकर उनकी संख्या बारह हो गई। दूसरी और सन् 2001 में जहाँ हरियाणा में सबसे कम महिला साक्षरता नो जिलो मे पाई जाती थी वहीं 2011 में घटकर तीन जिलों तक पहुँच गई। सन् 2011 में फतेहाबाद व कैथल जिले कम साक्षरता श्रेणी (55 से 60) में शामिल हुए वहीं महेन्द्रगढ़, जींद, हिसार व सिरसा जिले में मध्यम साक्षरता श्रेणी (60 से 65) पायी गयी। सन् 2001 के आँकडों के अनुसार हरियाणा में अम्बाला, पंचकुला, फरीदाबाद व गुरुग्राम जिलों में महिला साक्षरता क्रमशः 67.39, 65.65, 65.53, 67.49 प्रतिशत था जो सन् 2011 में बढकर क्रमशः 75.50, 75.99, 73.84 व 77.98 प्रतिशत हो गया। एक और जहाँ सन् 2001 में सबसे कम (55 से कम) महिला साक्षरता कैथल, पलवल, मेवात, महेन्द्रगढ़, भिवानी, जींद, हिसार, फतेहाबाद व सिरसा जिलो में क्रमशः 47.31, 40.76, 23.89, 54.08, 53.00, 48.51,

46.53, 49.93 थी वहीं सन् 2011 में इसी श्रेणी क्रम में महिला साक्षरता बढकर क्रमशः 59. 24, 54.23, 36.60, 64.57, 49.24, 60.76 62. 25, 58.87, 60.40 प्रतिशत हो गई। सन् 2001 में सबसे कम महिला साक्षरता प्रतिशत मेवात जिले में थी जो 23.89 प्रतिशत साक्षरता को इंगित करती है इतनी कम साक्षरता पाऐ जाने का मुख्य कारण यह क्षत्रे अभी पिछड़ा हुआ है यहाँ मेव जाति की अधिकता के कारण शिक्षा के प्रति उनका रुझाव न होना रहा। अधिकांशतः इस जाति के लोग पशुचारण एवं पशुपालन पर निर्भर है हालाकी सरकार द्वारा अनेक प्रयास किये जा रहे है। वहीं सन् 2011 में यहाँ महिला साक्षरता प्रतिशत में बढोतरी हुई है। 23.89 की अपेक्षा अब यह बढकर 36.60 प्रतिशत तक हो गई है। हरियाणा में महिला साक्षरता बढने का प्रमुख कारण लोगों का महिलाओं के प्रति सकारात्मक रैवया रहा है साथ ही सरकार की बहुत सी योजनाओं ने शिक्षा के प्रति महिलाओं का ध्यान आकृषित किया है। सरकार ने अच्छे अंक लेने वाले विद्यार्थियों को वजीफा प्रदान किया है। स्कूल में आने–जाने के लिए संसाधनों को उपलब्ध करवाया है जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी शिक्षा को बहुत बढावा मिला है। माता–पिता द्वारा शिक्षा के क्षत्रे में लड़का व लड़की को समान समझा जाने लगा है यही कारण है कि अब महिलाऐं

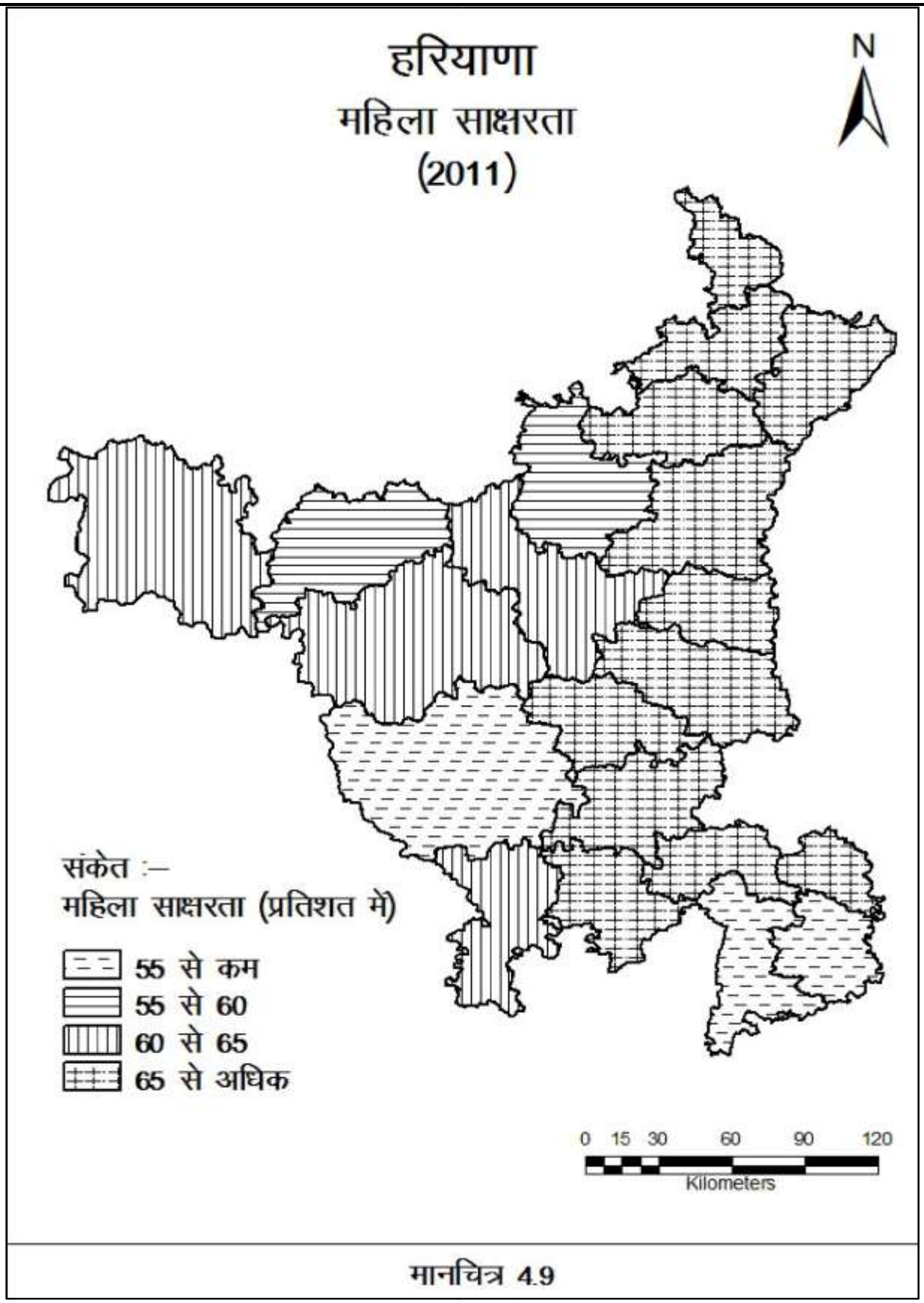

मानचित्र 4.9

हरियाणा के शिक्षा क्षेत्र में ही नहीं खेलों में भी अपना नाम कमाने लगी है जिससे शिक्षा में तो बढावा मिला ही है साक्षरता दर में भी वृद्धि होने लगी है।

गत दशक में कुल जनसंख्या पर साक्षरता प्रतिशत में परिवर्तन :–

गत दशक में कुल जनसंख्या पर साक्षरता प्रतिशत की बात करे तो सन् 2001 में हरियाणा की औसत साक्षरता 67.91 प्रतिशत थी वहीं 2011 में औसत साक्षरता 23.89 प्रतिशत थी जो सन् 2001 की तुलना में साक्षरता दर में 7.64 प्रतिशत की औसत बढोतरी हुई। सन् 2001 में सबसे कम साक्षरता हरियाणा के दक्षिणी–पूर्व में स्थित मवे ात जिलें में 23.89 प्रतिशत थी तथा सबसे अधिक साक्षरता गुरुग्राम जिले में 67.49 प्रतिशत थी। उपरोक्त जिले में कम साक्षरता होने का कारण यह जिला मुख्य नगर से दूर है, यातायात के साधनों की कमी है। अधिकांश व्यक्तियों का कार्य पशुचारण एवं पशुपालन है। यहाँ अच्छी शिक्षण संस्थाओं की कमी है, यहाँ पर गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने

वाले व्यक्तियों का प्रतिशत अधिक है अतः ये सभी कारण साक्षरता के प्रतिशत की कमी को दर्शाते है वहीं 2011 में सरकार के प्रयास व जनजागृति से मेवात जैसे जिले में साक्षरता प्रतिशत में बढ़ोतरी हुई और वह बढ़कर 36.60 प्रतिशत हो गई।

स्त्री–पुरुष साक्षरता वृद्धि :–

हरियाणा की जनगणना 2001 के आँकडों के अनुसार पुरुष साक्षरता का औसत 78.49 प्रतिशत तथा स्त्री साक्षरता 55.73 प्रतिशत रही जबकी 2011 की जनगणना के अनुसार पुरुष साक्षरता औसत 84.06 प्रतिशत व महिला साक्षरता 65.94 प्रतिशत रही। अतः सन् 2001 की तुलना में 2011 में औसत पुरुष साक्षरता 5.57 प्रतिशत की वृद्धि हुई वहीं सन 2001 की तुलना में 2011 में औसत महिला साक्षरता 10.21 प्रतिशत की बढोतरी हुई। गत दशक में हुई इस वृद्धि का प्रमुख कारण सरकार द्वारा अनेक शिक्षण संस्थानों को बढावा देने के साथ ही शिक्षा में पुरुस्कार राशी को बढ़ावा दिया गया जिससे शिक्षा के प्रति ग्रामीण लोगों का रुझान बढ़ा। कृषि क्षेत्र में मशीनों का आधुनिकीकरण किया गया जिससे लोगों को आर्थिक सहायता मिली और स्त्री साक्षरता को बढावा मिला हालांकी पुरुष साक्षरता की अपेक्षा महिला साक्षरता अभी भी कम है। जीवन के अन्य पहलुओं की भांति समस्त भारत में स्त्रियों को शिक्षा के क्षेत्र में उचित स्थान नहीं मिलता जिसके कारण उनकी साक्षरता दर पुरुष साक्षरता दर की अपेक्षा कम होती है। हालांकी स्त्री–पुरुष साक्षरता के जो आँकडे दर्शाये गए हैं उससे हमें यह महसूस होता है कि साक्षरता को बढाने के लिए हमें अपनी और से विशेष प्रयत्न करने की आवश्यकता है ताकी देश व समाज को आगे ले जाया जा सके और स्त्री साक्षरता को एक नई दिशा मिल सके।

निष्कर्ष

हरियाणा में 2001 से 2011 के बीच साक्षरता दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पुरुष साक्षरता 78.49% से बढ़कर 84.06% तथा महिला साक्षरता 55.73% से बढ़कर 65.94% हो गई। यह स्पष्ट करता है कि महिलाओं में शिक्षा का प्रसार अपेक्षाकृत तेजी से हुआ है, जिससे लिंग आधारित साक्षरता अंतर घटा है। यद्यपि यह अंतर अभी भी विद्यमान है परंतु राज्य के सामाजिक व आर्थिक विकास की दिशा में यह एक सकारात्मक संकेत है। जिलेवार अध्ययन से पता चलता है कि गुरुग्राम रोहतक पंचकूला और फरीदाबाद जैसे जिले उच्च साक्षरता श्रेणी में आते हैं जबकि मेवात, महेन्द्रगढ़ पलवल और फतेहाबाद जैसे जिले अभी भी अपेक्षाकृत पिछड़े हुए हैं।

सुझाव–

1. मेवात, महेन्द्रगढ़, पलवल आदि जिलों में शिक्षा का स्तर अभी भी कम है वहाँ सरकारी व गैर–सरकारी संस्थाओं द्वारा अधिक प्रयास किए जाने चाहिए।
2. महिलाओं की शिक्षा दर में वृद्धि उत्साहजनक है परंतु अभी भी यह पुरुषों से कम है। इसके लिए छात्रवृत्ति फ्री शिक्षा और सुरक्षा जैसे उपायों को और सशक्त करना आवश्यक है।
3. विद्यालयों की संख्या बढ़ाना शिक्षकों की नियुक्ति करना और शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देना चाहिए।
4. ग्रामीण समाज में शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूकता लाने के लिए प्रचार–प्रसार रैलियाँ और सामाजिक संगठनों का सहयोग लिया जाना चाहिए।
5. आधुनिक समय की आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा दिया जाए ताकि साक्षरता का सीधा लाभ रोजगार में भी दिख सके।

संदर्भ ग्रंथ

1. सिंह अमर तथा रजा महेन्दी (1982–1983) संसाधन एवं संरक्षण भूगोल।
2. कलवार एस.सी. एवं नन्द किशोर (1994) सामाजिक – आर्थिक भूगोल, पोंईन्टर,पब्लिशर्स, जयपुर पृ. 43–46.
3. खुल्लर डी.आर. (2015) भारत का भूगोल एवं प्रयोगात्मक भूगोल, कल्याणी पब्लिशर्स, लुधियाना पृ. 199–201.
4. शर्मा पी.एन. (1988) राजस्थान में कृषि आधुनिकरण, अप्रकाशित पीएच. डी. थिसिस, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर पृ. 30–35.
5. खुल्लर डी.आर. (2015) भारत का भूगोल एवं प्रयोगात्मक भूगोल, कल्याणी पब्लिशर्स, लुधियाना पृ. 196–197.
6. जिला सांख्यिकीय सारांश हरियाणा (2011). 7. हरियाणा सांख्यिकीय सारांश चण्ड़ीगढ़ (2016–17).
8. हरियाणा सांख्यिकीय सारांश चण्ड़ीगढ़ (2016–17).
9. सेन्सस ऑफ इन्ड़िया (2011).
10. रिसोर्स एटलस ऑफ हरियाणा (2004) आजाद हिन्द स्टोर (प्रा.) लि. चण्ड़ीगढ़ पृ. 42–45.